सत्यमेव जयते

UPPSC

Uttar Pradesh Public Service Commission

Download UPPSC/UPPCS Mains 2018 Exam Question Paper

"General Studies Paper - 4"

"Held on 20-10-2019"

ध्येयIAS®
most trusted since 2003
Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

No. of Printed Pages : 7

2019

ISRO-56

सामान्य अध्ययन : प्रश्न-पत्र – IV
GENERAL STUDIES : Paper – IV

निर्धारित समय : तीन घंटे]
Time Allowed : Three Hours]

[अधिकतम अंक : 200
[Maximum Marks : 200

नोट : (1) कुल 20 प्रश्न दिए गए हैं । खण्ड-अ से 10 प्रश्न लघुउत्तरीय हैं जिनके प्रत्येक उत्तर की शब्द-सीमा 125 तथा खण्ड-ब से 10 प्रश्न दीर्घउत्तरीय हैं जिनके प्रत्येक उत्तर की शब्द सीमा 200 निर्धारित हैं । जो हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं ।

(2) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

(4) प्रश्नों में इंगित शब्द-सीमा को ध्यान में रखें ।

(5) उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दें ।

Note : (1) There are **20** questions. Section – **A** consists of **10** short answer questions with word limit of **125 each** and Section – **B** consists of **10** long answer questions with word limit of **200 each**. The questions are printed both in **Hindi** and in **English**.

(2) **All** questions are **compulsory**.

(3) The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

(4) Keep the word limit indicated in the questions in mind.

(5) Any page or portion of the page left blank in the answer booklet must be clearly struck off.

खण्ड – अ/Section – A

1. मूल्य क्या हैं ? इनके केन्द्रीय तत्त्वों पर प्रकाश डालिए । **8**

What are the values ? Throw light over their central elements.

ध्येयIAS®
most trusted since 2003
Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

2. सरकारी एवं निजी संस्थाओं में नैतिक सरोकारों को परिभाषित कीजिये । 8
Define the ethical concerns in Government and Private Institutions.

3. प्रशासन में सत्यनिष्ठा का दार्शनिक आधार क्या है ? आलोचनात्मक विवेचना कीजिये । 8
What is the philosophical basis of probity in the governance ? Discuss critically.

4. गाँधी के नैतिक एवं सामाजिक विचारों का परीक्षण कीजिये । 8
Examine the ethical and social ideas of Gandhi.

5. सिविल सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता का मूल्यांकन कीजिये । 8
(अ) अंतरात्मा
(ब) सेवा भाव
(स) अनुशासन
Evaluate the relevance of the following in the context of civil service :
(a) Conscience
(b) Spirit of service
(c) Discipline.

6. "लोक सेवा की पहचान समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहिष्णुता एवं करुणा पर आधारित होती है ।" इस संदर्भ में सहिष्णुता एवं करुणा के मूल्यों की व्याख्या कीजिये । 8
"Public service is recognised on the basis of tolerance and compassion towards the weaker section of the society." Explain the values of tolerance and compassion in this context.

7. अभिवृत्ति के प्रकार्यों की विवेचना कीजिये । 8
Discuss the functions of the attitude.

8. निम्नलिखित में विभेद कीजिये : 8
Differentiate between the following :
(अ) अभिवृत्ति एवं मूल्य ।
(a) Attitude and value.
(ब) अभिवृत्ति एवं मत ।
(b) Attitude and opinion.

ध्येयIAS®
most trusted since 2003
Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

9. "प्रभावी प्रशासन के लिये लोक सेवा के प्रति समर्पण आवश्यक होता है।" व्याख्या कीजिये। 8

"Effective administration requires dedication towards Public Service." Explain.

10. अभी हाल ही में आपने एक सरकारी संगठन के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। अपने कार्यालय में पहले ही दिन आप पाते हैं कि संगठन में कई अनियमिततायें विद्यमान हैं, जैसे : 8

(i) स्टाफ समय का पाबंद नहीं है।

(ii) स्टाफ व्यर्थ बातचीत में अपना समय नष्ट करता है।

(iii) जन शिकायतों पर कोई त्वरित कार्रवाई नहीं होती हैं।

(iv) संगठन में सभी स्तरों पर भ्रष्टाचार व्याप्त है।

(v) संगठन द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता निम्न स्तर की है।

आप अपने स्टाफ को किस प्रकार से प्रेरित करेंगे जिससे संगठन की उपर्युक्त कमियों का निदान हो जाय ? विवेचना कीजिये।

Recently you have taken charge as the head of a government organisation. On the very first day in your office, you observe that the organisation is crippled with many irregularities such as :

(i) The staff is not punctual.

(ii) The staff waste their time in unnecessary talks.

(iii) Speedy action is not taken on public grievances.

(iv) There is rampant corruption at every level in the organisation.

(v) The quality of the services provided by the organisation is very poor.

How would you inspire your staff so that the above deficiencies of the organisation get removed ? Discuss.

खण्ड – ब / Section – B

11. नीतिशास्त्र एवं नैतिकता में विभेद कीजिये तथा नीतिशास्त्रीय कार्यों के निर्धारक तत्त्वों की व्याख्या कीजिये। 12

Differentiate between ethics and morality and explain the determinants of ethical actions.

Downloaded From: www.dhyeyaias.com

ध्येयIAS®
most trusted since 2003
Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

12. "काण्ट का नीतिशास्त्र आकारवादी एवं कठोरतावादी है ।" इस मत का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये तथा नैतिक जीवन में काण्ट के नैतिक सिद्धान्त के महत्त्व का मूल्यांकन कीजिये । 12

"Kant's ethics is formalist and rigorist." Critically examine this view and evaluate the importance of Kantian ethical principles in moral life.

13. लोक सेवकों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधाओं की व्याख्या कीजिये । क्या अंतरात्मा उनके समाधान में सहायक होगी ? विवेचना कीजिये । 12

Explain the ethical dilemmas faced by the public servants. Will conscience be helpful in their solution ? Discuss.

14. भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ क्या हैं ? समाज में उन्हें रोकने के लिए आपके अनुसार क्या कदम उठाने चाहिये ? व्याख्या कीजिये । 12

What are the challenges of corruption ? What steps should be taken according to you to prevent them from the society ? Explain.

15. प्रकरण :

निशांत सामाजिक रूप से संवेदनशील, समाजवादी विचार के बुद्धिजीवी एवं प्रोफेसर हैं । वे अपने लेखों, भाषणों और मीडिया के माध्यम से मजदूरों, अल्पसंख्यकों, दलितों, महिलाओं एवं जनजातियों के स्वर को मुखरित करते हैं । एक पार्टी भी उन्हें अपने थिंक टैंक में रखे हुये है । इसी क्रम में वे आह्वान करते है कि सम्भ्रांत जनों, प्रबुद्धों, राजनीतिज्ञों एवं अधिकारियों को अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में प्रवेश दिलाना चाहिये । प्रवेश के महीनों में अभिजात्य स्कूलों के मापदण्डों पर बहस होती है और उसकी शिक्षा के हित में आलोचना भी होती है, जिसमें निशांत भी सम्मिलित रहते हैं; किन्तु पता चलता है कि वे स्वयं अपने बच्चे को एक अभिजात्य स्कूल में प्रवेश दिलाने हेतु प्रयासरत हैं । अतः उनके इस कृत्य को आलोचना भी होती है । कहा जाता है कि वे 'करते कुछ है और कहते कुछ है ।'

अतः प्रश्न हैं :

1) क्या निशांत को भी अपने बच्चे को सरकारी स्कूल में प्रवेश दिला देना चाहिये ?

2) क्या निशांत को बौद्धिक विमर्श त्याग देना चाहिये ?

3) क्या उन्हें अपने पार्टी के लोगों को अपने समर्थन में खड़ा करना चाहिये ?

4) या अपने बच्चे का प्रवेश अभिजात्य स्कूल में करा देना चाहिये । विवेचना कीजिये । 12

Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

Case :

Nishant is a socially sensitive, socialist, intellectual and professor. Through his articles, speeches and media, he raises the voices of labourers, minorities, downtroddens, women and tribals. A party keeps him in its think tank. In this sequence once he calls the members of civil society, intellectuals, politicians and officers to get their children admitted in the government schools. In the season of admissions, the elite schools are highly criticised for their criteria and its impact on education and Nishant also joins in these criticism; meanwhile it comes out that Nishant himself is trying to get his child admitted in an elite school. People condemn this attitude of Nishant and say that his 'action and words are mismatched'.

Question therefore is :

1) Should Nishant get his child admitted in the government school ?
2) Should Nishant leave his intellectual discourses ?
3) Should he call his party followers in his favour ?
4) Or should he try to get the admission of his child in the elite school ?

Discuss.

16. जनसमूह की अभिवृत्ति परिवर्तन में विश्वासोत्पादक संवाद के महत्त्व की विवेचना कीजिये । 12

Explain the importance of persuasive communication to change the attitudes of the masses.

17. "भावनात्मक बुद्धि तत्त्वत: एक सैद्धान्तिक सम्प्रत्यय नहीं है, किन्तु बहुआयामी सामाजिक कौशल है ।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में भावनात्मक बुद्धि की अवधारणा तथा आयामों की व्याख्या कीजिये । 12

"In essence emotional intelligence is not a theoretical concept but a multidimensional social skill." Explain the concept and dimensions of emotional intelligence in the context of the statement.

ध्येयIAS®
most trusted since 2003
Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

18. सिविल सेवा के सन्दर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता की विवेचना एवं मूल्यांकन कीजिये : 12
(अ) सत्यनिष्ठा
(ब) निष्पक्षता
(स) वस्तुनिष्ठता
(द) गैर-तरफदारी ।

Discuss and evaluate the relevance of the following in the context of the civil service :
(A) Integrity
(B) Impartiality
(C) Objectivity
(D) Non-partisanship.

19. ''अभिवृत्तियाँ हमारे अनुभवों का परिणाम है।'' इस कथन के सन्दर्भ में अभिवृत्ति निर्माण हेतु उत्तरदायी कारकों की व्याख्या एवं मूल्यांकन कीजिये । 12

"Attitudes are the result of our experiences." Explain and evaluate the factors responsible for attitude formation in the context of this statement.

20. एक जन सूचना अधिकारी को 'सूचना का अधिकार अधिनियम' के अन्तर्गत एक आवेदन मिलता हैं। वांछित सूचना एकत्र करने के बाद उसे पता चलता है कि वह सूचना स्वयं उसी के द्वारा लिये गये कुछ निर्णयों से सम्बन्धित है, जो पूर्ण रूप से सही नहीं थे। इन निर्णयों में अन्य कर्मचारी भी सहभागी थे। सूचना प्रकट होने पर स्वयं उसके तथा अन्य सहयोगियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है, जिसमें दण्ड भी सम्भावित है। सूचना प्रकट न करने पर या आंशिक सूचना उपलब्ध कराने पर कम दण्ड या दण्ड मुक्ति भी मिल सकती है।

जन सूचना अधिकारी एक ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति हैं, परन्तु जिस विशिष्ट निर्णय, जिसके सम्बन्ध में आर. टी. आई. में आवेदन किया गया है, वह गलत निर्णय है।

वह अधिकारी आपके पास सलाह के लिए आता है । ऐसी स्थिति में आप उसे क्या सलाह देंगे ? तर्कपूर्ण ढंग से व्याख्या कीजिये । 12

ध्येयIAS®
most trusted since 2003
Address: Plot No. A-12,13, Flat No. 201, 2nd Floor, Ansal Building, Mukherjee Nagar, New Delhi, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26, 9205274741/42, 011-49274400

ISRO-56

A Public Information Officer has received an application under 'Right To Information (RTI) Act'. After gathering the required information, he finds that the informations pertain to some of the decisions taken by him, which were not totally correct. Some other employees were also a party to these decisions. Disclosure of the informations may lead towards disciplinary action against him and his other colleagues including probable punishment. Non-disclosure of information or partial disclosure of information may result to less or no punishment.

The Public Information Officer is an honest and conscientious person but the particular decision regarding which an application under the RTI Act was lodged was a wrong decision.

The officer comes to you for your advice under the above conditions what will be your advice to the officer ? Explain logically.

Downloaded From: www.dhyeyaias.com

Dhyeya IAS Now on Telegram

Join Dhyeya IAS Telegram Channel from link the given below

https://t.me/dhyeya_ias_study_material

नोट : पहले अपने फ़ोन में टेलीग्राम App Play Store से Install कर ले उसके बाद लिंक में क्लिक करें जिससे सीधे आप हमारे चैनल में पहुँच जायेंगे।

You can also join Telegram Channel through our website

www.dhyeyaias.com

www.dhyeyaias.in

ध्येयIAS
most trusted since 2003

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400

Subscribe Dhyeya IAS Email Newsletter
(ध्येय IAS ई-मेल न्यूज़लेटर सब्स्क्राइब करें)

जो विद्यार्थी ध्येय IAS के व्हाट्सएप ग्रुप (Whatsapp Group) से जुड़े हुये हैं और उनको दैनिक अध्ययन सामग्री प्राप्त होने में समस्या हो रही है | तो आप हमारेईमेल लिंक Subscribe कर ले इससे आपको प्रतिदिन अध्ययन सामग्री का लिंक मेल में प्राप्त होता रहेगा | **ईमेल से Subscribe करने के बाद मेल में प्राप्त लिंक को क्लिक करके पुष्टि (Verify) जरूर करें अन्यथा आपको प्रतिदिन मेल में अध्ययन सामग्री प्राप्त नहीं होगी |**

नोट (Note): अगर आपको हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम में अध्ययन सामग्री प्राप्त करनी है, तो आपको दोनों में अपनी ईमेल से Subscribe करना पड़ेगा | आप दोनों माध्यम के लिए एक ही ईमेल से जुड़ सकते हैं |

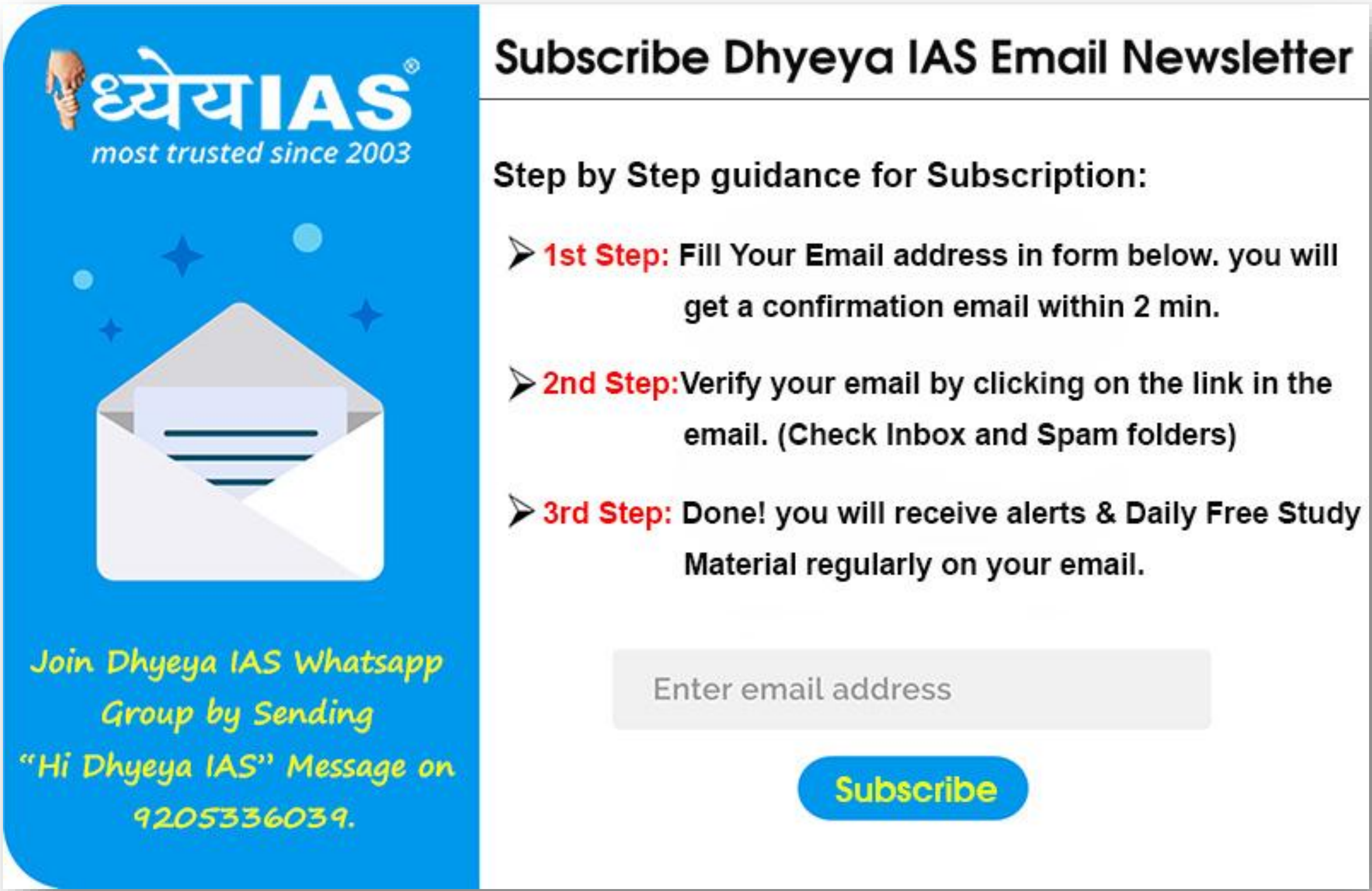

Address: 635, Ground Floor, Main Road, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi 110009
Phone No: 011-47354625/ 26 , 9205274741/42, 011-49274400